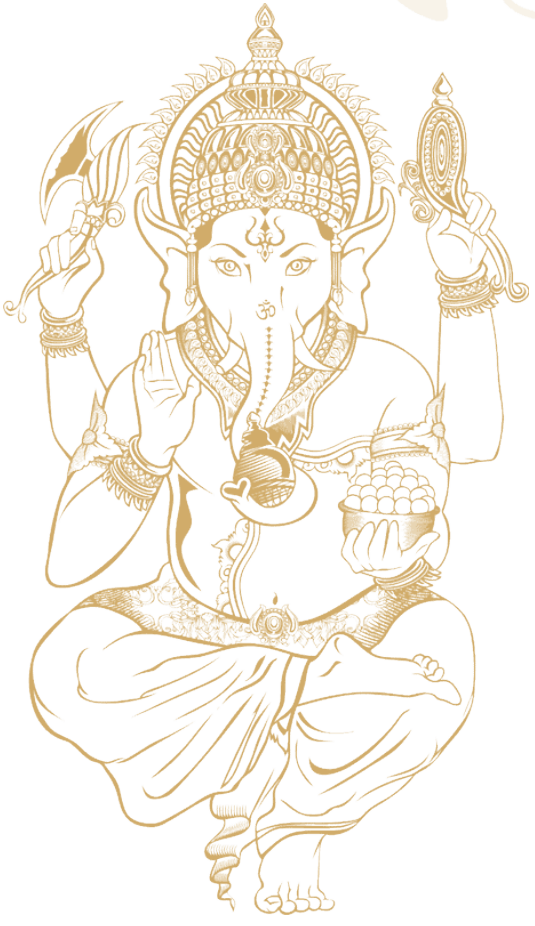

SHUB KARNI

03 Apr 1989

09:15 AM

Kathua

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 120911404

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/04/1989**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:15:00 घंटे**
इष्ट	07:31:55 घटी
स्थान	**Kathua**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:22:00 उत्तर
रेखांश	75:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:47:04 घंटे
वेलान्तर	-00:03:20 घंटे
साम्पातिक काल	21:32:53 घंटे
सूर्योदय	06:14:13 घंटे
सूर्यास्त	18:48:51 घंटे
दिनमान	12:34:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	19:39:32 मीन
लग्न के अंश	15:56:22 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शुभ
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गौतमी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	15:56:22	378:34:11	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	---
सूर्य			मीन	19:39:32	00:59:10	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	07:35:28	14:37:50	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			वृष	20:13:58	00:36:53	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	सम राशि
बुध		अ	मीन	18:10:06	02:01:51	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	नीच राशि
गुरु			वृष	10:09:11	00:11:14	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मीन	19:11:35	01:14:29	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	उच्च राशि
शनि			धनु	19:53:51	00:01:56	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	10:38:31	00:00:16	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु			सिंह	10:38:31	00:00:16	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	11:36:31	00:00:19	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप			धनु	18:38:35	00:00:22	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	20:54:42	00:01:22	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			मक	27:07:19	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:32

लग्न-चलित

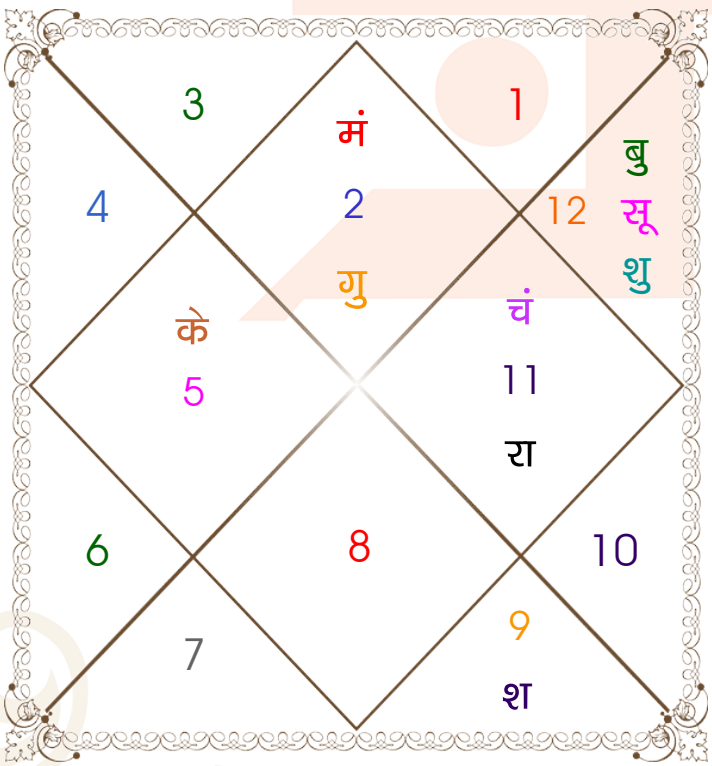

चन्द्र कुंडली

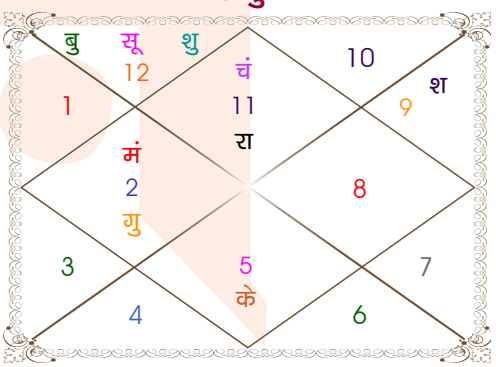

नवमांश कुंडली

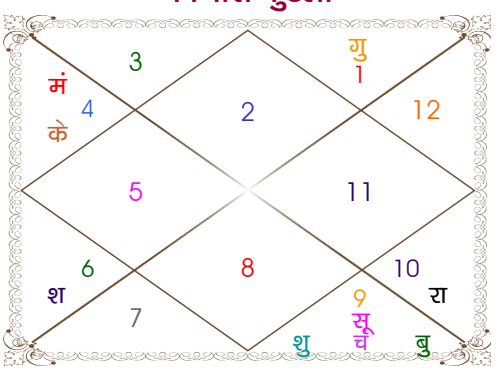

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 16 वर्ष 9 मास 0 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/04/1989		02/01/2006		02/01/2022		02/01/2041		02/01/2058	
02/01/2006		02/01/2022		02/01/2041		02/01/2058		02/01/2065	
राहु	15/09/1990	गुरु	21/02/2008	शनि	05/01/2025	बुध	01/06/2043	केतु	01/06/2058
गुरु	08/02/1993	शनि	03/09/2010	बुध	15/09/2027	केतु	28/05/2044	शुक्र	01/08/2059
शनि	16/12/1995	बुध	09/12/2012	केतु	24/10/2028	शुक्र	29/03/2047	सूर्य	07/12/2059
बुध	04/07/1998	केतु	15/11/2013	शुक्र	25/12/2031	सूर्य	02/02/2048	चंद्र	07/07/2060
केतु	23/07/1999	शुक्र	16/07/2016	सूर्य	06/12/2032	चंद्र	04/07/2049	मंगल	03/12/2060
शुक्र	22/07/2002	सूर्य	04/05/2017	चंद्र	07/07/2034	मंगल	01/07/2050	राहु	21/12/2061
सूर्य	16/06/2003	चंद्र	03/09/2018	मंगल	16/08/2035	राहु	17/01/2053	गुरु	27/11/2062
चंद्र	15/12/2004	मंगल	10/08/2019	राहु	22/06/2038	गुरु	25/04/2055	शनि	06/01/2064
मंगल	02/01/2006	राहु	02/01/2022	गुरु	02/01/2041	शनि	02/01/2058	बुध	02/01/2065

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
02/01/2065		02/01/2085		03/01/2091		03/01/2101		04/01/2108	
02/01/2085		03/01/2091		03/01/2101		04/01/2108		00/00/0000	
शुक्र	04/05/2068	सूर्य	22/04/2085	चंद्र	03/11/2091	मंगल	01/06/2101	राहु	04/04/2109
सूर्य	04/05/2069	चंद्र	21/10/2085	मंगल	03/06/2092	राहु	20/06/2102		00/00/0000
चंद्र	03/01/2071	मंगल	26/02/2086	राहु	03/12/2093	गुरु	27/05/2103		00/00/0000
मंगल	04/03/2072	राहु	21/01/2087	गुरु	04/04/2095	शनि	05/07/2104		00/00/0000
राहु	05/03/2075	गुरु	09/11/2087	शनि	02/11/2096	बुध	02/07/2105		00/00/0000
गुरु	03/11/2077	शनि	21/10/2088	बुध	04/04/2098	केतु	28/11/2105		00/00/0000
शनि	02/01/2081	बुध	28/08/2089	केतु	03/11/2098	शुक्र	28/01/2107		00/00/0000
बुध	03/11/2083	केतु	02/01/2090	शुक्र	05/07/2100	सूर्य	05/06/2107		00/00/0000
केतु	02/01/2085	शुक्र	03/01/2091	सूर्य	03/01/2101	चंद्र	04/01/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 16 वर्ष 8 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ठ धघ्नादि प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगी या जी चुरायेंगी तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ठ धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहती हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नही लेती हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करती हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेती हों उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखती हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभांश प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाती हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त कर लेती हैं।

क्योंकि आप यह जानती हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम पड़ता हैं तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाती हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना की महिला नही हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहती हैं।

स्वाभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाली प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाली तथा पीछे मुडकर नहीं देखती हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नही चाहती यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरूचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझती हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय की प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्त्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नही लगती है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन दुखियों की सहायक होंगी।

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकती हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगी। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगी। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहती हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं।

अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।